वर्ष 2020–21, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजनान्तर्गत सरसों की खेती से सफल किसान की कहानी

किसान का नाम : हरेलाल सोरेन
ग्राम : लाटिया
पंचायत : कुईलीसुता
प्रखण्ड : मुसाबनी

प्रखण्ड मुसाबनी के पंचायत कुईलीसुता पंचायत के लाटिया गांव निवासी हरेलाल सोरेन एक युवा किसान है। दो भाईयों में बड़े 21 वर्षीय हरेलाल इंटर तक की शिक्षा हासिल की है। बड़े होने के नाते पारिवारिक जिम्मेदारी भी इसी के उपर हैं ये पिछले 6 सालों से अपनी पुश्तैनी जमीन में धान की पंरपरागत खेती कर रहे है। धान खेती की तकनीकी जानकारी आत्मा के प्रसार कर्मी से प्राप्त किया । इसके अलावे हरेलाल सब्जी जैसे बैगन, टमाटर की खेती करके परिवार का आर्थिक जरूरतों को पूरा कर रहा है। पहले सिर्फ एक ही फसल धान की खेती करते थे। सरसों कम पानी एवं नमी वाला क्षेत्र में हो जाता है इसके खेती की तकनीकी जानकारी आत्मा के प्रसार कर्मी ने उन्हें बताया।

वर्ष 2020–21 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन–दलहन योजना के अन्तर्गत सरसों की खेती करने का सुझाव आत्मा के प्रसार कर्मी ने दिया। हरेलाल करीब 2 एकड़ जमीन में खेती कर रहें है जिसमें धान, सब्जी एवं सरसों की खेती किए हैं। सरसों का बीज 50 डीसमील में लगाया था जिससे सरसों का साग का खुब बिक्री हुआ है उनको 5,000/– से ज्यादा का मुनाफा हुआ इसके बाद हरेलाल को 2 क्वींटल से ज्यादा उपज प्राप्त हुआ है। हरेलाल को इससे 12,000/– रूपये मुनाफा हुआ ।

हरेलाल आत्मा के प्रसार कर्मी से समय–समय पर फोन के माध्यम से सीधे संपर्क करके एवं किसान कॉल सेंटर में बात करके धान की खेती के अलावा तेलहन, दलहन एवं मोटे अनाज की खेती–बाड़ी के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहतें है।

हरेलाल के अनुसार अब धान की खेती के साथ–साथ अन्य फसलों की खेती कर सलाना लगभग लाख से उपर आमदनी कर रहें है।

Latitude: 22.489003
Longitude: 86.479336
Elevation: 92.39 m
Accuracy: 3.0 m